RE. ACCIDENT AT DADPUR AND GAURA RAILWAY CROSSINGS

श्री शिव प्रताप मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार और इस सदन का ध्यान रेल मंत्रालय की लापरवाही की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । रेल मंत्रालय की लापरवाही के कारण कल उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में दादुपुर और गौरा रेलवे क्रासिंग पर नीलांचल एक्सप्रेस की चपेट में बारात से भरी एक जीप आ गई, जिसमें 12 लोगों की तुरन्त मृत्यु हो गई और दो लोग घायल पड़े हुए हैं । उस पर एक फाटकी भी बनी हुई है, लेकिन उसका दरवाजा कई बार लिखने के बावजूद भी अभी तक नहीं लगा है । मैं आपसे आग्रह करूँगा कि जो मर गये हैं, उनको मुआवजा दिया जाये और दूसरे जहां वह फाटकी नहीं लगी है, उसको तत्काल लगवाया जाए ।

RE. DEMAND OF INQUIRY INTO THE ASSASSINATION OF A HINDU RAKSHA SAMITI ACTIVIST AT DODA IN J&K

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : मैं आपके माध्यम से बहुत ही गम्भीर घटना की ओर माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । माननीय गृह मंत्री जी से मिलकर भारतीय जनता पार्टी के चार सांसद डोडा जिले की स्थिति पर विचार करने के लिए गये थे । हम लोगों ने आकर अपनी संक्षिप्त रिपोर्ट माननीय गृह मंत्री जी को दी थी । उसके बाद हम को यह दर्दनाक खबर मिली है कि हमारे वहां के विशिष्ट कार्यकर्ता जो हिन्दू रक्षा समिति का मंत्री था, सतीश भण्डारी और जिसने वहां हमारी सभा कराई थी, की हत्या कर दी गई । यह हत्या इतनी दर्दनाक है कि उस हत्या के कारण पूरा क्रिस्टवा बन्द है पूरा भदरवा बन्द है, जम्मु बन्द है । माननीय गृह मंत्री जी यहां मौजूद हैं, मैं आपके माध्यम से उनसे मांग करता हूं कि इसके विशेष जांच कराकर एक रिपोर्ट यहां दें । व यहां के सांसद वहां जायेंगे वहां की स्थिति के निरीक्षण के लिये और उस निरीक्षण करने में जो मदद पहुँचायेगा, उसकी हत्या कर दी जायेगी, तो यह सरकार कैसे चलेगी, यह देश कैसे चलेगा ? मैं गृह मंत्री जी से आश्वासन चाहता हूं कि वह इसकी जांच कराकर यहां उत्तर देंगे ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, I will make enquiries into the matter and, if possible, because just one day is left. I will try to come before the House.

RE. SEIZURE OF ILLEGAL SOPHISTICATED ARMS AND AMMUNITION FROM A CONTAINER AT PRAGATI MAIDAN

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : पिछले दिनों प्रगति मैदान के कंटेनर डिपो से बाहर अमरिका की एक कम्पनी से सामान आया था दायर आर्म्स का, जो सोफिस्टकेटेड और माडर्न था, बहुत संख्या में बरामद हुआ है । मैं इस संबंध में गृह मंत्री जी से जानना चाहूगा कि इस सरकार ने आज तक क्या कार्यवाही की ? इस सदन में मैंने पहले भी यह बात उठाई थी ? इस सदन में मैंने पहले भी उठाया था और आपने निर्देश भी दिया था कि सरकार इस बारे में गम्भीरता से सोचे, लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चला है । आतंकवादियों की गतिविधियां बढ़ रही हैं । बाहर से भारत की एक कम्पनी ने स्क्रप के नाम पर इतना सामान आयात किया है । इस संबंध में सरकार को चाहिए कि सदन को अवगत करे कि क्या स्थिति है । वह सामान ठीक है या नहीं और कौन सी कम्पनी ने मँगाया है और मंगाया है तो सरकार ने क्या कार्यवाही की है ? यह दिल्ली का मामला है, बाहर का मामला नहीं है । दिल्ली में प्रगति मैदान का

मामला है । इसलिए मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस संबंध में गृह मंत्री जी जरा ध्यान दें । कंटेनर डिपो पर बहुत सारा सामान स्क्रेप के नाम पर आया है और जिसकी रसीद भी बनी है । उसके संबंध में मैं जानना चाहता हूं कि सरकार ने अब तक क्या किया है, वस्तु स्थिति क्या है ? सरकार स्थिति स्पष्ट करे कि उसने क्या कार्यवाही की है ।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, the whole thing is being investigated. Unless we get all the details, it will not be proper on my part to say anything about the investigation or to say at what stage it is.

RE. DELAY IN BROADCASTING THE NEWS ABOUT THE PASSING AWAY OF NOTED HINDI POET SHAMSHER BAHADUR

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : महोदया, मैं सिर्फ आधा मिनट लूंगी । मैं यह कहना चाहती हूं कि आल इंडिया रेडियो का पहला काम जनता को सूचना देना है । लेकिन हमारे आधुनिक साहित्य के शिखर और वरिष्ठ कवि शमशेर बहादुर जी का निधन कल 4 बजे सुबह अहमदाबाद के एक नर्सिंग होम में हो गया । उनको साहित्य अकेदमी पुरस्कार भी मिला था और मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार मध्य प्रदेश में मिला था और उनको कबीर सम्मान भी मिला था । उनकी मृत्यु की सूचना रेडियो ने 12 घंटे बाद दी जब कि सूचना कई लोगों ने वहां पहुंचा दी थी, दिल्ली के संवाददाता ने पहुंचा दी थी और सूचना आ चुकी थी । 11 बजे यहां दिल्ली के संवाददाता ने कहा तो यह कहा गया कि हम सिर्फ अहमदाबाद के संवाददाता का ही समाचार देते हैं । अहमदाबाद रेडियो स्टेशन के डायरेक्टर ने भी दिल्ली केन्द्र के निदेशक को फोन पर सूचना दी, लेकिन उसके समाचार को भी दिन भर प्रसारित नहीं किया गया। एसा क्यों हुआ ? यहां पर सिर्फ यह रूल क्यों है कि अहमदाबाद के क्षेत्रीय संवाददाता का ही समाचार देंगे, तब ही रेडियो और दूरदर्शन प्रसारित करेंगे ? वह संवाददाता दिल्ली में हैं । मैं चाहती हूं कि इस लापरवाही और उपेक्षा की जांच की जाये . . . (व्यवधान) ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, if we keep on linking things, I won't be able to run the House.

अब आप सिर्फ तारीफ कीजिये ।

Mr. Hanumanthappa, I do respect your opinion, but the thing is....

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): Madam, I will take only one minute. While associating with Veena Ji on the functioning of AIR, I would like to say that we have a radio station in our place. Its programmes cannot be heard anywhere. Even in my own place, I cannot listen to their programme. I brought this to the notice of the Information & Broadcasting Ministry. They are helpless. Why should they have a radio station at all, if the people in the same State and in the same district cannot hear its programmes? Why are they maintaining such a radio station? Nobody can listen to their programmes. Will the Minister, please, take note of it?

AN HON. MEMBER: You want it should be closed down?

SHRI H. HANUMANTHAPPA: No, I do not want it to close down. If it has been opened, it should be useful to the people. People must be able to listen its programmes.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Hanumanthappa you have been specially allowed, because it is your birthday today. So, we have given it as a gift.

श्रीमती तरला महेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : महोदया, मैं भी इसी संदर्भ में कहना चाहती हूं जो बात माननीय वीणा जी ने कही है । मैं शमशेर बहादुर जी की कविता की दो पंक्तियां उद्धृत करना चाहती हूं और रेडियो पर टिप्पणी करना चाहती हूं । उन्होंने कहा था--

बात बोलेगी, हम नहीं,
भेंट होने की बात थी ।